SURYA
FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

चयनित आदर्श गाँव
पेण्ड्री- राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

Website : www.suryafoundation.org

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर– PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**– तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी–पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

पेण्ड्री गाँव में हुए विकास कार्य

- गाँव के 14 कार्यकर्ता अभी तक सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से 600 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से अब तक 400 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- हस्तशिल्प प्रशिक्षण में 25 महिलाओं ने भाग लिया।
- 40 परिवारों में पोषण वाटिका बनवाई गई। इसमें घर के ही किसी एक स्थान पर सब्जियाँ उगाई जाती है।
- 7 किसानों द्वारा जैविक खेती की शुरुआत की गई।
- वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत प्रत्येक परिवार में निःशुल्क नींबू के पौधे वितरित किये गये।
- पुस्तकालय की शुरूआत की गयी जिसमें देशभक्ति, प्रेरक कहानियाँ, महापुरुषों के जीवन की कहानियों की 400 महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं।
- 40 महिलाओं का संगठन तैयार कर 'महिला कमांडो' का गठन किया गया।
- स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 50 परिवारों में कूड़ादान वितरण किया गया।
- सरकार द्वारा 35 महिलाओं को हथकरघा प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराया गया।
- 40 महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना से प्रमाण पत्र दिलाया।

गाँव आदर्श बनाने हेतु मुख्य आधार बिन्दु

1. **शिक्षा**– गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**–योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान–पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**–स्व–सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**–गाँव, घर साफ–सुथरा हो, घर–घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**–सभी जाति, वर्ग के लोग मिल–जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**– नर सेवा–नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**–सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**–युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

बोलो हमेशा तोल के हँसो दिल खोल के।

शिक्षा- सूर्या संस्कार केन्द्र

सूर्या संस्कार केन्द्र 2013 से पेण्ड्री में संचालित हो रहा है और मैंने अपने गाँव के बच्चों को एकत्रित कर संस्कार केन्द्र का प्रारंभ किया। कुछ दिनों बाद एक ऐसा अनुभव मिला कि गाँव के अन्य बच्चों के माता–पिता कहने लगे कि हमारे बच्चों को भी पढ़ाओ। ऐसे ही संस्कार केन्द्र में बच्चों की संख्या बढ़ने लगी। मैंने बच्चों को अनुशासन, अभिवादन करना सिखाया धीरे–धीरे बच्चों में इन बातों का परिवर्तन देखने को मिला। यह सब देख गाँव के लोगों मे भी सहयोग और आपसी प्रेम की भावना जागृत हुई।

गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आना, बच्चों से बातें करना। मेरे संस्कार केन्द्र के प्रथम बैच के विद्यार्थी सूरज भैया, जो अपनी आगे की पढ़ाई करते हुए सूर्या यूथ क्लब चला रहे हैं। गाँव में जो भी कार्यक्रम होते हैं गाँव के लोग हमें बुलाते हैं। सूर्या फाउण्डेशन से जुड़ने के बाद मुझे एक नई पहचान मिली। बचपन से ही मेरी एक इच्छा रही कि मैं शिक्षक बनकर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करूँ। आज मुझे सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से ये सौभाग्य मिला। अपने आने वाले पीढ़ी के लिये कुछ अच्छा कर पाऊँगा।

हीरेन्द्र साहू
(शिक्षक)

दीप्ति (कक्षा-4)

चंचल (कक्षा-3)

हम प्रतिदिन संस्कार केन्द्र जाते हैं। वहाँ पर हमें अच्छी बातें सीखने को मिलती है जैसे- रोज सुबह उठकर उषापान करना, अपने माता–पिता के पैर छूना, काम समय पर करना, बड़ों को आदर करना। हम भैया की बात मानते हैं और रोज योगासन करते हैं। स्कूल का काम भी समय पर करने लगे हैं। यह सब देखकर हमारे माता–पिता को बहुत अच्छा लगता है। संस्कार केन्द्र पर हम प्रतिदिन खेल–खेलते है और सब मिलकर अपने केन्द्र की सफाई करते हैं। कभी–कभी प्रभात फेरी भी निकालते है। यह सब हमें बहुत अच्छा लगता है। हमारे माता–पिता ने छोटे भाई–बहनों को भी संस्कार केन्द्र भेजना प्रारम्भ किया है।

पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ दस पुत्र समान।

युवा निर्माण– सूर्या यूथ क्लब

सूरज साहू
(शिक्षक)

मैंने 2018 में सूर्या फाउण्डेशन के व्यक्तित्व विकास शिविर की ट्रेनिंग की। इस दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा, जिससे मेरी शारीरिक व बौद्धिक क्षमता का विकास हुआ। ट्रेनिंग के बाद मुझे अपने गाँव में युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास हेतु सूर्या यूथ क्लब चलानें का अवसर मिला। युवाओं का संगठन बनाया जिसमें युवाओं को प्रतिदिन खेल खिलाना और ग्राम विकास के कार्यो की चर्चा करना। वर्ष में एक बार खेलकूद प्रतियोगिता का अयोजन करना।

साथ ही युवाओं की बैठक कर गाँव की समस्याओं पर चर्चा करना अपने सूर्या यूथ क्लब पर शुरू किया। युवाओं ने ग्राम विकास में अपना योगदान शुरू कर दिया है। युवाओं द्वारा गाँव में जागरूकता हेतु कई कार्य किए जैसे स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, नशामुक्ति रैली, महिला सशक्तिकरण में भागीदारी निभायी है। यूथ क्लब से जुड़ने के बाद युवाओं में नशा करना छोड़ दिया है।

भागीरथी साहू
(यूथ क्लब खिलाड़ी)

सूर्या यूथ क्लब में जुड़ने के बाद मेरे जीवन में बहुत बदलाव आये हैं। सुबह उठकर योग करना, बड़ों का आशीर्वाद लेना, उषापान (2 गिलास पानी पीना), माता–पिता के कामों में हाथ बंटाना। इससे मुझे बहुत लाभ हुआ है। सूर्या यूथ क्लब के युवाओं के साथ मिलकर एकता से काम करना सीखा। सुबह उठने की आदत और साथ ही अपने छोटे भाइयों को भी जल्दी उठाकर योग कराना शुरू किया। अब मैं सभी लोगों को योगासन के प्रति प्रोत्साहित करता हूँ।

करो योग - रहो निरोग

पेण्ड्री गाँव मे हो रहे कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ स्वच्छता के लिये संकल्प लेते हुए

विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए

किसान गोष्ठी कार्यक्रम

स्वच्छता अभियान

मंदिर दर्शन कार्यक्रम

महिला कमाण्डो ग्रुप

सिलाई केन्द्र

महिला सशक्तिकरण – सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

चित्ररेखा
(सिलाई शिक्षिका)

सूर्या फाउण्डेशन के तहत सिलाई प्रशिक्षण देने कबीर आश्रम जाती हूँ। जिसमें 12 माताएँ व बहनें सिलाई प्रशिक्षण लेने के लिए आती हैं। मैं सिलाई केन्द्र पर उनको ब्लाउज, पेटीकोट, फ्रॉक आदि सिलना सिखाती हूँ। कई बहनों प्रशिक्षण लेने के बाद अपने घर पर सिलाई कर रही हैं। मैं बहुत खुश हूँ कि भगवान ने मुझे यह कला सिखाई है। जिससे मैं अपने गाँव की मदद कर सकती हूँ। उससे मुझे यह अनुभव होता है कि मेरे पास भी ऐसी कला है जिससे मैं अपनों को सिलाई सिखा सकती हूँ। मुझे बहुत खुशी है कि मैं बहुत-सी बहनों और माताओं को उन्हें उनके योग्य बनाया। सूर्या फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में सभी महिलाओं को सक्षम बनाने में मैं उनकी सहायक बनी। वर्तमान वैश्विक महामारी कोराना वायरस के समय हम सब ने मिलकर परिवारों में मास्क बनाने का काम किया।

SHG - हथकरघा प्रशिक्षण और स्वरोजगार

गाँव में स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण हेतु सात स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। अलग-अलग प्रकार की ट्रेनिंग कराई गई है। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ स्वावलंबी बनें। हथकरघा द्वारा स्वरोजगार कर रही एक महिला सदस्य का अनुभव...

उमेश्वरी साहू
हथकरघा
स्वरोजगार

मैं पिछले 2 वर्षो से सूर्या फाउण्डेशन से जुड़ी हूँ। और स्वयं सहायता समूह एवं ग्राम विकास के कार्यो में अपना सहयोग देती हूँ। सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से पिछले वर्ष हमारे गाँव पेण्ड्री में हथकरघा प्रशिक्षण एवं हथकरघा मशीनें उपलब्ध कराई गई। जिसके अन्तर्गत गाँव की 35 महिलाओं ने सुकुल दैहान में प्रशिक्षण लिया और अब मशीनें उपलब्ध होने पर सभी प्रशिक्षित महिलाएँ अपने घर में ही काम कर रही हैं। जिससे प्रतिदिन 200 से 250 रुपए कमा लेती हैं। यह कार्य महिला स्वावलंबन के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है जिससे हमारे गाँव की महिलाओं को रोजगार मिला इसके लिए हम सूर्या फाउण्डेशन का धन्यवाद करते हैं। और आशा करती हूँ कि सूर्या फाउण्डेशन के प्रयास से हमारे गाँव में स्वरोजगार के लिए और भी कार्य होंगे जिससे हमारे गाँव की हर एक महिला स्वावलंबी बनेगी।

पॉलीथिन मुक्त गाँव अभियान : पेण्ड्री

सनत टंडन
सूर्या फाउण्डेशन
प्रमुख : छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के जिला राजनांदगाँव के ग्राम पेण्ड्री (सुकुल दैहान) में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा 9 फरवरी 2020 को पॉलिथीन मुक्त गाँव के लिए जागरुकता अभियान चलाया जिसमें सभी ग्रामवासियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में पूरे गाँव में सूर्या फाउण्डेशन के 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं सहित गाँव के पुरुष, महिलाएँ, युवा बच्चे सभी ने रैली निकाली साथ ही पेण्ड्री के सभी परिवारों में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कपड़े का थैला वितरित किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जागरुक किया। इस अवसर पर राजनांदगाँव के पूर्व सांसद श्री मधुसुदन यादव जी ने सभी ग्रामवासियों को पॉलिथीन मुक्त जीवन जीने की प्रतिज्ञा कराई। यह पॉलिथीन मुक्त गाँव का कार्यक्रम गाँव वालों के लिए एक अलग अनुभव था। इस कार्यक्रम के बाद पेण्ड्री में सभी ग्रामवासियों में एक अलग सा बदलाव देखने को मिला। अब सभी ग्रामवासी जब भी बाजार जाते है तो कपड़े या जूट का थैला लेकर जाते हैं।

गाँव वालों ने सड़क से पॉलिथीन उठाने का काम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के बाद गाँव में दुकानों से भी पॉलिथीन न लेने का संकल्प लिया है। गाँव वालों को केवल दिशा देने का कार्य फाउण्डेशन ने किया और गाँव वालों ने इसे अभियान के रूप में लिया है। यह देखकर खुशी का अनुभव हुआ।

आदर्श गाँव पेण्ड्री में थैला बांटते हुए सूर्या फाउण्डेशन टीम

पॉलीथीन मुक्त अभियान रैली : पेण्ड्री

प्रशिक्षण से ही कार्य कुशलता में आती है वृद्धि, पॉलीथिन मुक्त बनाने संकल्प

तैयारी... पालीथीन मुक्ति अभियान की रणनीति बनाते ग्रामीण।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. गांव को पॉलीथिन मुक्त बनाने का संकल्प लेकर चल रही सूर्या फाउंडेशन 9 फरवरी को डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पेंड्री में पॉलीथिन मुक्त गांव का संकल्प दिलाएगी। फाउंडेशन के 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ता गांव के 200 से अधिक नागरिकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे।

फाउंडेशन के आदर्श ग्राम योजना के प्रमुख प्रमोद आसरे ने बताया कि कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन वेद [illegible] मुख्य अतिथि होंगे। फाउंडेशन के ट्रस्टी [illegible], लोकल कार्यकर्ता सनत टंडन, रवि तिवारी व फलेश साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसी अभियान के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन ने भी डोंगरगढ़ ब्लॉक के पेंड्री गांव का चयन किया है और यहां 9 फरवरी को वृहद कार्यक्रम कर गांव के सभी 212 घरों में कपड़े के थैले वितरित किए गए। लोगों ने पॉलीथिन को बाय-बाय करेंगे। आसरे के अनुसार सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है, पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल द्वारा प्रारंभ यह संस्था विवेकानंद के विचारों से ओतप्रोत है। 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को 4 दिन से इस विषय पर प्रशिक्षित किया जा रहा था। सभी कार्यकर्ता 9 फरवरी को विकासखंड के ग्राम पेंड्री में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पॉलिथीन मुक्त ग्राम के कार्यक्रम में भाग लिया है। सोमवार को दीक्षांत समारोह के उपरांत सभी कार्यकर्ता अपने-अपने राज्य लौट जाएंगे।

आदर्श गाँव की ओर बढ़ते कदम...

रवि तिवारी
सेवा कार्यकर्ता
गाँव : पेण्ड्री

सूर्या फाउण्डेशन का मैं पूर्णकालिक कार्यकर्ता हूँ। सितंबर 2017 में आदर्श गाँव पेण्ड्री में आया, गाँव में आने के बाद सूर्या संस्कार केन्द्र से शुरुआत की। इसके बाद सूर्या यूथ क्लब शुरू किया। महिला जागरुकता व रोजगार के लिए महिला स्वयं सहायता समूह बनाया गया।। जिसके माध्यम से पूरे गाँव में स्वच्छता, स्वावलंबन के लिए कार्य प्रारम्भ किया गया।

गाँव के 40 परिवारों में हथकरघा प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार शुरू हुआ। सूत से कपड़ा बना कर देते हैं और प्रतिदिन ढाई सौ से 300 रुपये कमाते हैं। सेवाभावियों का प्रशिक्षण कराया। गाँव के प्रत्येक घर में वृक्षारोपण हुआ जिसका प्रभाव अब दिख रहा है क्योंकि जो पौधे परिवारों में लगाए गए थे वे फल देने लग गये हैं। गाँव के सभी परिवारों एवं विद्यालय में कूड़ादान की व्यवस्था है जिसका उपयोग कर गाँव में होने वाली गंदगी को रोकते हैं।

सूर्या सिलाई केन्द्र, नशा मुक्ति अभियान, किसान गोष्ठी, पशु चिकित्सा शिविर, ग्राम गौरव मेला, योग कक्षा आदि कार्यक्रम गाँव में चल रहे हैं। जिसमें गाँव के सभी वर्गो का सामूहिक रूप से सहयोग मिल रहा है। गाँव कबीर पंथ के अनुयायिओं का धार्मिक स्थल है। साथ ही इस गाँव में समरसता, सहभागिता का भाव सभी गाँव वालों में दिखता है। संस्था का आभारी हूँ कि मुझे इस गाँव की सेवा करने का अवसर प्रदान किया।

नशा छोड़ो
घर को जोड़ो

सेवा कार्यों में लगे कार्यकर्ता

क्रम	नाम	दायित्व	मोबाइल
1	सनत टण्डन	क्षेत्र प्रमुख	9752680930
2	रवि तिवारी	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	9111994072
3	हिरेन्द्र साहू	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9111994072
4	सूरज कुमार	यूथ क्लब शिक्षक	8827265617
5	चित्ररेखा साहू	सिलाई केन्द्र शिक्षिका	-
6	योगदास साहू	सेवाभावी	9926159067
7	फलेश साहू	सेवाभावी	-
8	लता सिन्हा	सेवाभावी	-
9	सोहन लाल	सेवाभावी	-
10	भागवत सिन्हा	सेवाभावी	-

समाचार पत्रों में पेण्ड्री गाँव की झलकियाँ

प्रशिक्षण से ही कार्य कुशलता में आती है वृद्धि, पॉलीथिन मुक्त बनाने संकल्प

तैयारी... पालीथीन मुक्ति अभियान की रणनीति बनाते ग्रामीण।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. गांव को पॉलीथिन मुक्त बनाने का संकल्प लेकर चल रही सूर्या फाउंडेशन 9 फरवरी को डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम पेंड्री में पॉलीथिन मुक्त गांव का संकल्प दिलाएगी। फाउंडेशन के 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ता गांव के 200 से अधिक नागरिकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे।

फाउंडेशन के आदर्श ग्राम योजना के प्रमुख प्रमोद आसरे ने बताया कि कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन वेद करमरकर मुख्य अतिथि होंगे। फाउंडेशन के ट्रस्टी कामेश्वर दलाई, लोकल कार्यकर्ता सनत टंडन, रवि तिवारी व फलेश साहू भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसी अभियान के अंतर्गत सूर्या फाउंडेशन ने भी डोंगरगढ़ ब्लॉक के पेंड्री गांव का चयन किया है और यहां 9 फरवरी को वृहद कार्यक्रम कर गांव के सभी 212 घरों में कपड़े के थैले वितरित किए गए। लोगों ने पॉलीथिन को बाय-बाय कहेंगे। आसरे के अनुसार सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है, पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल द्वारा प्रारंभ यह संस्था विवेकानंद के विचारों से ओतप्रोत हैं। 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को 4 दिन से इस विषय पर प्रशिक्षित किया जा रहा था। सभी कार्यकर्ता 9 फरवरी को विकासखंड के ग्राम पेंड्री में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पॉलिथीन मुक्त ग्राम के कार्यक्रम में भाग लिया है। सोमवार को दीक्षांत समारोह के उपरांत सभी कार्यकर्ता अपने-अपने राज्य लौट जाएंगे।

हस्तशिल्प प्रशिक्षण का शुभारंभ

राजनांदगांव। सूर्या फाउंडेशन द्वारा देश के अलग-अलग गांवों में संपूर्ण ग्राम विकास के तहत बच्चों की पढ़ाई के लिए निःशुल्क संस्कार केंद्र, युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सूर्या यूथ क्लब, महिला स्वावलंबन के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण जैसे सिलाई केंद्र और हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, नशा मुक्ति कार्यक्रम, किसान गोष्ठी, पशु चिकित्सा शिविर आदि किया जा रहा है। इसी योजना के अंतर्गत जिले के ग्राम पेंड्री (सुकुल दैहान) में निःशुल्क हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण 30 जनवरी से 8 फरवरी तक चलेगा। इस प्रशिक्षण में गांव की 25 से 30 महिलाएं और बहने भाग ले रही हैं।

मध्यप्रदेश की विदिशा जिला से पूनम तिवारी महिलाओं बहनों को प्रशिक्षण दे रही हैं। इस शिविर में सॉफ्ट ट्वायज के रूप में टेडी बियर, डॉल, खरगोश, रैबिट बैग के अलावा मेक्रम से बनी हुई मिरर होल्डर, दीवार तोरण की होल्डर सहित कई चीजें सिखाई जा रही है। साथ ही उनके द्वारा बनाई गई चीजों को 9 फरवरी को ग्राम पेंड्री में प्रदर्शनी लगाई जाएगी। गांव के सभी लोगों ने इस प्रशिक्षण के लिए सूर्या फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख सनत टंडन, वीरेंद्र साहू, सूरज साहू एवं गांव वालों के सहयोग से संपन्न किया जाएगा।

योगाभ्यास कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. सूर्या फाउंडेशन छत्तीसगढ़ में 21 जून अंतराष्ट्रीय योगाउत्सव के लिए योगाभ्यास व मीटिंग कार्यक्रम का उदघाटन राजनांदगांव के पेंड्री में किया गया। जिसमें अतिथि अजय सिंह सरपंच पति सेवाभावी, योग दास सेवाभावी, फलेश संकुल समन्वयक सेवाभावी, उत्तम, सनत टंडन सूर्या फाउंडेशन छत्तीसगढ़ प्रमुख व युवा साथी दुर्गेश, सोहन लाल की उपस्थिती में पूजन कर प्रारंभ किया गया।

योगाभ्यास... 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का लिया संकल्प।

सनत टंडन ने बताया गया कि भारत सरकार की 21 जून अंतराष्ट्रीय योगाउत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने व योग को गांव-गांव तक हर व्यक्ति तक पहुंचाने व अपने जीवन मे अपनाने इस लिए पूरे भारत मे 25 लाख लोगों को एक साथ योगा करने का लक्ष्य आएनओ व सूर्या फाउंडेशन के द्वारा लिया गया हैं। जिसमे छत्तीसगढ़ में 40 स्थानों में किया जाएगा। इसके लिए पेंड्री, रायपुर, कवर्धा, जैजैपुर, नवागढ़ में 40 शिक्षकों को 1 दिवसीय योगभ्यास पेंड्री से शुभारम्भ हो गया है।

पेंड्री में बच्चों ने दिया स्वच्छता का संदेश

राजनांदगांव। सूर्या फाउंडेशन के अंतर्गत जिले के ग्राम बम्हनी में स्वच्छता जागरूकता मिशन चलाया गया। उक्त कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत गांव के युवाओं, बच्चों, महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

स्वच्छता जागरूकता मिशन के अंतर्गत पेंड्री के सद्गुरु कबीर साहेब गुरूकुल विद्यालय के बच्चों ने स्वच्छता जागरूकता मिशन चलाया। इसमें स्कूली युवा मौजूद थे। गांव में स्वच्छता के लिए विशेष कार्यक्रम किए जा रहे हैं। जैसे रैली एवं विद्यालयों में स्वच्छता को लेकर बच्चों को जागरूक करने के लिए प्रतियोगिताएं कराई जा रही है। कार्यक्रम गांव के सभी युवा एवं ग्रामीणों के सहयोग से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भी विशेष सहयोग मिल रहा है। गांव वाले मेरा गांव साफ हो-इसमें सबका साथ हो इस नारे के लेकर गांव में स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। ... जानकारी रवि तिवारी ने दी।

अब जैविक खेती पर जोर दे रहे किसान

ग्राम पेंड्री के कबीर आश्रम में हुई संगोष्ठी

सुकुलदैहान (राजनांदगांव)। नईदुनिया न्यूज

समीपस्थ ग्राम पेंड्री में रविवार को किसान संमेलन किया गया। मुख्य एजेंडी जैविक खेती को बढ़ाने को लेकर प्रोत्साहन था। इसमें आसपास गांव के दर्जनों किसानों ने सहभागिया निभाई। बाहर से आए वैज्ञानिकों ने उन्हें जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसके फायदे के बारे में बताया गया।

सूर्या फाउंडेशन एक समाजिक संस्था है जो कि पूरे देश में आदर्श ग्राम योजना के तहत समग्र ग्राम विकास का कार्य कर रहीं हैं। इसी योजना के तहत सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में एक दिवसीय जैविक खेती एवं जलवायु परिवर्तन अधारित खेती पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जैविक खेती कृषि वैज्ञानिक सुजीत चौहान नागपुर (महाराष्ट्र) और शिवराज वाडे मध्यप्रदेश ने अपने विचार विमर्श रखे। साथ ही क्षेत्र के बहुतायत किसानों ने जैविक खेती के बारे में अपने-अपने अनुभव को रखा।

प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। ● नईदुनिया

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्राम पंचायत पेंड्री की सरपंच लता अजय सिन्हा, नेतराम साहू ग्राम पटेल, आजूराम ठाकुर पूर्व सरपंच खैरा, हरिप्रसाद शुक्ला, दुरगेश साहू, सुरेश सिन्हा गातापार, योगदास साहू, सनंद टंडन, वि तिवारी के साथ ही अनेकों किसानों की उपस्थिति थी।